# अनुक्रमणिका


| | |
|---|---|
| *भूमिका* | *v* |
| अध्याय–1 : मुंशी प्रेमचन्द — जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व | 1 |
| अध्याय–2 : निबंध साहित्य – स्वरूप, विशेषताएँ और प्रेमचन्द का योगदान | 29 |
| अध्याय–3 : साहित्य के प्रति प्रेमचन्द की मान्यताएँ | 58 |
| अध्याय–4 : प्रेमचन्द के निबंधों में हिन्दू समाज और सुधार चेतना | 86 |
| अध्याय–5 : किसान–मजदूर जीवन का यथार्थ | 112 |
| अध्याय–6 : प्रेमचन्द का नारी-चिंतन | 138 |
| अध्याय–7 : साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक सद्भाव | 165 |
| अध्याय–8 : आध्यात्मिक चेतना और नैतिक विचार | 190 |
| अध्याय–9 : राष्ट्र, राजनीति और स्वतंत्रता आन्दोलन | 217 |
| अध्याय–10 : हिंदी भाषा – समृद्धि और भाषा-चिंतन | 247 |
| अध्याय–11 : निबंधकार के रूप में प्रेमचन्द — समग्र मूल्यांकन | 274 |


नमूना SAMPLE